

APPOINTMENTS

हिन्दी-विभाग
डॉ. कविता कुमारी सिंह

P. 6, II Sem

विषय - उपन्यास और मध्यकाल

उपन्यास राज्य-साहित्य का एक विशिष्ट अंग है। दूसरे शब्दों में मानव-जीवन की पूर्ण चारित्र्य ही उपन्यास है। उपन्यास का ध्येय है जन-मनोरंजन करना था। ज्ञान-विज्ञान की उन्नति के साथ-साथ उपन्यासों में भी सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक चेतना से एक क्रांति का प्रसार हुआ। प्रेमचन्द ने देश की विभिन्न समस्याओं को चित्रित करने के साथ-साथ ही इन्होंने मन की सूक्ष्मता भावनाओं, संघर्षों तथा अन्तर्दुन्दों को बड़ी सूक्ष्मता के साथ प्रस्तुत किया। सामाजिक, राजनीतिक तथा साम्प्रदायिक पहलुओं पर जितनी सूक्ष्मता से प्रेमचन्द का विचार है उतना अन्य कोई हिन्दी-लेखक नहीं कर पाया। जीवन के प्रत्येक अंगवैगवीन तथा मौलिक रूप से प्रकट करना ~~है~~ इन्हीं प्रतिभा की विशेषता थी। इनके उपन्यासों में शहर, गाँव, नौकर, मालिक, शिक्षित, अशिक्षित, मजदूर, किसान सबका बड़ा

M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M							
3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	.	.

The journey of a thousand miles begins with a single step. - Lao Tzu

दोस्त, सपनों की सतह-तक परिलक्षित होती है।

Appointments

8.00 ही सुन्दर चित्रा मिलता है। दोनों समस्याओं का चित्रण ही नहीं किया, बल्कि जीवन ही गहराइयों में व्युत्पन्न उसका सफल निदान ढूँढ निकाला।

10.00 उपन्यास के साथ मध्यवर्ग का दोहरा संबंध है। एक ओर वह उपन्यास का रचनाकार होता है और दूसरी ओर उसका पाठक। इसलिए किसी भी मापा में उपन्यास का उद्भव और विकास मध्यवर्ग के उद्भव और विकास से जुड़ा है। निम्नवर्ग का व्यक्ति अपनी शारीरिक ~~संबंध~~ श्रम से जीविका कमाता है, उसकी सारी शक्ति, उसका सारा समय दो वस्त्र की रीती कमाने में ही निकल जाता है। रोज कुत्तों खौदना और रोज पानी पीने की प्रक्रिया में उसके पास साहित्य, कला आदि के लिए न तो समय बचता है और न ही वह उनके सृजन, आर-वादन की कामना विकसित कर पाता है। यदि निम्नवर्ग का कोई व्यक्ति किसी प्रकार इस योग्य बन जाता है तो उसका वर्ग-चरित्र बदल जाता है। वह निम्नवर्ग से उठकर मध्यवर्ग का व्यक्ति बन जाता है।

W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	

Take rest after your first victory because if you fail in second, more lips are waiting to say that your first victory was just luck. - A.P.J. Abdul Kalam

आर के दीनी की जेठों - समाज

Appointments

Week - 5th - 031-335

8.00

उच्चवर्ग का व्यक्ति अपनी जीविता न

9.00

ले शारीरिक श्रम से कमाता है और न मानसिक श्रम से। उसी जीविता के साथ उसके पारस्परिक कथिडार,

10.00

उसकी सम्पत्ति या पूँजी होती है। अतः इस की डा

11.00

व्यक्ति अपनी इन्द्रियों की कृष्टि और अपनी कथिडार-

12.00

रूप पूँजी के संरक्षण में इतना संलग्न रहता है कि

13.00

साहित्य, कला आदि के प्रति न उसी कमिस्वयि होती

है और न उसमें इसके लिए क्षमता का विकास हो

14.00

पाता है। मध्यवर्ग का व्यक्ति अपनी जीविता

15.00

बौद्धिक श्रम से कमाता है, जिसके कारण स्वाभाविक

रूप से वह किसी समाज के साहित्य, कला आदि का

16.00

संकाहड बन जाता है। उसके पास सृजन-क्षमता होती-

17.00

है। उसके पास इतना अवकाश भी होता है कि वह

18.00

साहित्य, कला, संगीत आदि का आनन्द ले सके और

उसी अनुशांसा कर सके। यही कारण है कि हमारे

19.00

देश में विभिन्न भाषाओं का साहित्य अनिवार्यतः

20.00

मध्यवर्ग के साथ जुड़ा है। हिन्दी साहित्य इसका

अपवाद नहीं है।

01

Saturday

Two Thousand Twenty

FEBRUARY

Appointments

9.00

आधुनिक काल के पूर्व भी मध्यवर्ग
है, लेकिन आधुनिक काल से पूर्व संख्या और वर्ग

9.30

दोनों दृष्टि से वह कल्पना थी। भारत
कांग्रेसों ने जो नई प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित

10.00

की, वह हवा में शिक्षा का प्रसार और प्रचार
की, वह हवा में शिक्षा का प्रसार और प्रचार

11.00

नई तरह की कार्यव्यवस्था शुरू की, उस समय
नई तरह की कार्यव्यवस्था शुरू की, उस समय

12.00

मध्य-वर्ग का विस्तार हुआ, उसका वर्चस्व
मध्य-वर्ग का विस्तार हुआ, उसका वर्चस्व

13.00

और वह अपने महत्व, अधिकार के प्रति संवेदन
और वह अपने महत्व, अधिकार के प्रति संवेदन

14.00

हुआ। इस तरह से भारतीय समाज का नेतृत्व
हुआ। इस तरह से भारतीय समाज का नेतृत्व

15.00

उसके हाथ में आया। जीवन के अन्य क्षेत्रों की
उसके हाथ में आया। जीवन के अन्य क्षेत्रों की

16.00

तरह साहित्य के क्षेत्र में भी नवीनता और
तरह साहित्य के क्षेत्र में भी नवीनता और

16.30

आधुनिकता का समावेश उसी के अंग हुआ।
आधुनिकता का समावेश उसी के अंग हुआ।

17.00

में नई-नई विद्याओं का प्रारम्भ उसी के अंग हुआ।
में नई-नई विद्याओं का प्रारम्भ उसी के अंग हुआ।

18.00

उपन्यास भी एक नई साहित्यिक विद्या के रूप में संत
उपन्यास भी एक नई साहित्यिक विद्या के रूप में संत

02 Sunday

आया। हिन्दी से पहले उपन्यास का
आया। हिन्दी से पहले उपन्यास का

उद्भव बंगाला और मराठी में हुआ। वहीं मध्यवर्ग का
उद्भव बंगाला और मराठी में हुआ। वहीं मध्यवर्ग का

वर्चस्व भी सबसे पहले स्थापित हुआ और उपन्यास
वर्चस्व भी सबसे पहले स्थापित हुआ और उपन्यास

वहीं सबसे पहले जन्मा और पगपा।
वहीं सबसे पहले जन्मा और पगपा।

FEB 2020	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S							
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29

Success is not final, failure is not fatal: it is the courage to continue that counts. - Winston S. Churchill